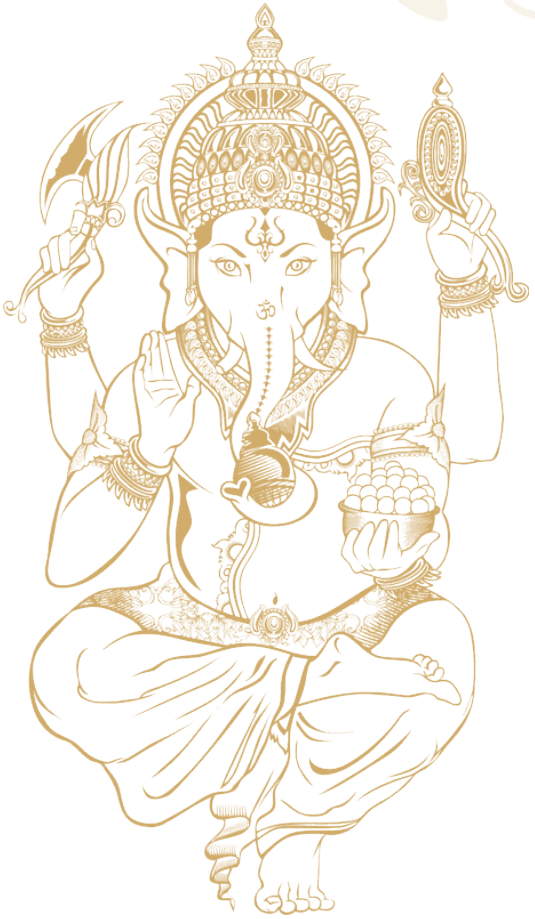

Mrs.Neha

31 Mar 1997

07:40 PM

Pulgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 120628003

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/03/1997**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:40:00 घंटे**
इष्ट	33:41:51 घटी
स्थान	**Pulgaon**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	20:40:00 उत्तर
रेखांश	78:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:23:28 घंटे
वेलान्तर	-00:04:12 घंटे
साम्पातिक काल	07:59:25 घंटे
सूर्योदय	06:11:15 घंटे
सूर्यास्त	18:30:34 घंटे
दिनमान	12:19:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:04:56 मीन
लग्न के अंश	03:56:30 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूमिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:56:30	330:59:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मीन	17:04:56	00:59:14	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	14:10:09	13:43:47	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		सिंह	27:37:51	00:19:54	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मेष	04:46:04	01:28:49	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मक	21:07:09	00:10:46	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र		अ	मीन	16:34:36	01:14:31	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	16:30:48	00:07:32	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
राहु			कन्या	04:50:14	00:00:10	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	04:50:14	00:00:10	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:07:00	00:02:02	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:52:13	00:01:01	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:38:09	00:00:45	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	03:57:11	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:06

लग्न-चलित

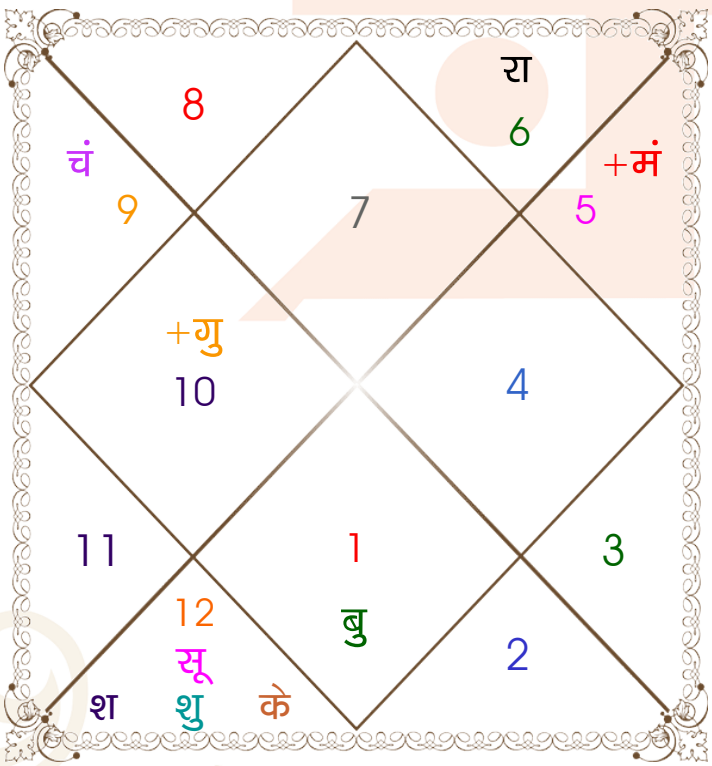

चन्द्र कुंडली

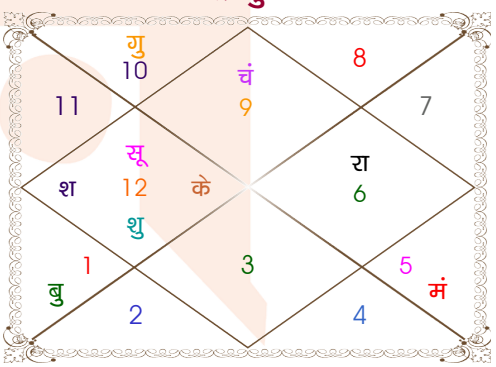

नवमांश कुंडली

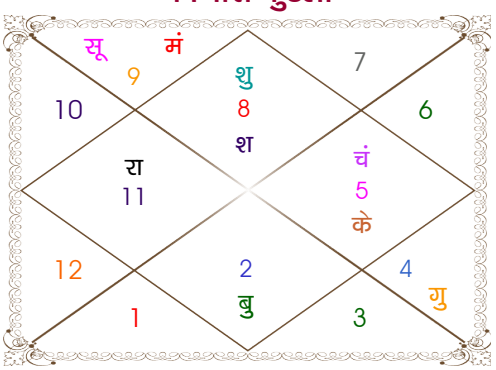

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 8 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
31/03/1997		29/12/2015		29/12/2021		29/12/2031		29/12/2038	
29/12/2015		29/12/2021		29/12/2031		29/12/2038		29/12/2056	
शुक्र	30/04/1999	सूर्य	17/04/2016	चंद्र	29/10/2022	मंगल	26/05/2032	राहु	10/09/2041
सूर्य	29/04/2000	चंद्र	17/10/2016	मंगल	30/05/2023	राहु	14/06/2033	गुरु	04/02/2044
चंद्र	29/12/2001	मंगल	21/02/2017	राहु	28/11/2024	गुरु	21/05/2034	शनि	11/12/2046
मंगल	28/02/2003	राहु	16/01/2018	गुरु	30/03/2026	शनि	30/06/2035	बुध	29/06/2049
राहु	28/02/2006	गुरु	04/11/2018	शनि	29/10/2027	बुध	26/06/2036	केतु	18/07/2050
गुरु	29/10/2008	शनि	17/10/2019	बुध	30/03/2029	केतु	22/11/2036	शुक्र	17/07/2053
शनि	29/12/2011	बुध	23/08/2020	केतु	29/10/2029	शुक्र	22/01/2038	सूर्य	11/06/2054
बुध	29/10/2014	केतु	29/12/2020	शुक्र	30/06/2031	सूर्य	30/05/2038	चंद्र	11/12/2055
केतु	29/12/2015	शुक्र	29/12/2021	सूर्य	29/12/2031	चंद्र	29/12/2038	मंगल	29/12/2056

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/12/2056		29/12/2072		29/12/2091		30/12/2108		30/12/2115	
29/12/2072		29/12/2091		30/12/2108		30/12/2115		00/00/0000	
गुरु	16/02/2059	शनि	01/01/2076	बुध	27/05/2094	केतु	28/05/2109	शुक्र	01/04/2117
शनि	29/08/2061	बुध	11/09/2078	केतु	24/05/2095	शुक्र	28/07/2110		00/00/0000
बुध	05/12/2063	केतु	20/10/2079	शुक्र	24/03/2098	सूर्य	03/12/2110		00/00/0000
केतु	10/11/2064	शुक्र	20/12/2082	सूर्य	29/01/2099	चंद्र	04/07/2111		00/00/0000
शुक्र	12/07/2067	सूर्य	02/12/2083	चंद्र	30/06/2100	मंगल	30/11/2111		00/00/0000
सूर्य	29/04/2068	चंद्र	02/07/2085	मंगल	27/06/2101	राहु	17/12/2112		00/00/0000
चंद्र	29/08/2069	मंगल	11/08/2086	राहु	15/01/2104	गुरु	23/11/2113		00/00/0000
मंगल	05/08/2070	राहु	17/06/2089	गुरु	21/04/2106	शनि	02/01/2115		00/00/0000
राहु	29/12/2072	गुरु	29/12/2091	शनि	30/12/2108	बुध	30/12/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 8 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।